

सुभा सुभा
२४७

1. 2. 3. 4. 5.

सुभा सुभा
२४७

सुभा सुभा
२४७

सुभा सुभा
२४७

[illegible][illegible]

[illegible]

4

[illegible]



महा प्रतापी सुदे दयाराजा प्रजाजान

पीतवी चालमथाना पापरा भूलेजु थापम

मथाना जागपी नी नुयारप नादयसील

देवीदेवि जान ह्य विसु महेवर प्राणी

यादुदेव कभन इवना व ॥

बोकारिमी मल्लो मा सेना ~~ह्य~~ ^{ह्यो} यताया

भारदार ल्युल्य ताया दरवारे वना

सुवन्त यापारी चुनेदेवी मे ~~म~~ ^{मो} का भू

दना बोवा पुर्वाभाना

प्रममहापा धीवया पुताधोपारी

होवाह सादनाको दानेभिरिपुदेनः

पयआह तुमदेनरिसो निल्लापल

उहउनामिल्लाला पुउउ नोउरनापल ॥ ८ ॥

पुउउमीने नोउना नोउना नोउना अउय ॥ ९ ॥

अउय अउय विजान ॥ १० ॥ ८ ॥

ता पा आहुः वृद्धि प्रपीतामः आनुः प्रपीतामहः वीर्यपिताः
आवाः पीतीराताः कन्दा कन्दिता

ता पा आहुः वृद्धि प्र पीतामः आनुः प्र पीतामहः वीः अ पिताः
 आवाः पी श्री सा ताः कलाः कानि स्त पिताः कागुः ऊ स्त सावाः किका
 कानि पानः च माया कायः वे मा प्र मः आवाया कायः पितृ व्य पुत्र
 ककाया कायः पितृ व्य पुत्र ^{याकाय} कीजा सुयः रागा पुत्र कीजा कायः रागा पुत्र
 कयः पी प्र पाहुः मागुल री चाः रागी ने प समनवुः अ मु च पिता त्वा प्र
 मि प्र रावा भी वृ पती ॥ १ ॥ च माहु वे मा तु अ मा पि प्र मा मही
 मा माहुः कनी स्क पिता महि रोगः प्रजा मती किजाया कलाः रागु काया
 कलाः अ राया काय काय कलाः पुषा आवाया तो म स्त रा गा पुषा ककाया तो
 कस्त रागा पुष नी नी पितृ म अ रागाः कुल दुमि ताः कस्त कुल दुमि तु
 म्हायः पुषी मायना मेव रागा पुषी

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

अंकुश १५२ १०० चन्द्रत ॐ

ॐ नमः श्री वृक्षसत्ताया ॥ पिण्ड ध्याविधी ॥ के पचा उग्र नी खल ॥ ॥ गोप
गाये पाताय अग्र न नखा ॥ सिद्ध वल्लोभा चन साइ इ पचा मृगल च गम गम अस
रुल रुल कडा मठि उग्र का हाम कृष्ण लपम तंग नाऊ हा ग नाऊ पले स्ना
उला स्वा ॥ धो वा जी सी धुति गाल लाचक माल लया डाल सा लुखा चा डी हरे वा ना
को वना पिण्ड सु ॥ ॥ आप सुर्पा र्घ ॥ सुकुं आस सिद्ध चन गिका उग्र मान यात गिका ॥
ॐ सुवर्तु गिलक रुष नं प्रति रुखा हा ॥ ॥ आ कि स्वां उग्र मान याति वसत य ॥ ॥ मति ध
निवृत्ति नी महा प्रति सन न ऊ २ मां ई रुखा हा ॥ ॥ आ कि स्वां लं स वन कं वा क ॥ ॥
अवतद्र क सहा नाम लो क भगु ने व स ग म नं तं नं यादि ॥ ॥ अथः मूक माहे ति धो न ऊ प्र
धो ग वा स नं यथा वा सि ग त श्री सुर्य चंद्र मलिय उग्र मान लय यथा गम त्र ल्य यथा नाम च
यस सा ता हा त कृ त स क ल पा प ऊ य पु र्व क यथा आ लो करु ल प्राप्ति कामः
पिण्ड न दे मः स्वपिता यथा नाम इ ग ति मा न न सु र्ना व ति प्राप्ति कामः अस्मि दि न सं आरु पिण्ड

दानाई न निमी र्प थं आदो श्री सुर्य र्घ नमः ॥ प्रपु र्घ नमः ॥
नमः ॥ यद्वा पवी त नमः ॥

८ ९ ७
दानार्चन निमीत्यर्थं आदौ श्रीसूर्यार्चनम् ॥ प्रभुर्धनम् ॥ उलार्धनम् ॥ धूपनम् ॥ जलचन्दनं
नमः ॥ यद्वापवीर्णनम् ॥ पुष्पनमः ॥ गोत्र ॥ उपकुसुमसंकाशं काशं पयमहायुग्मि ॥ तं मयि
सर्वपापघ्नं प्रमादिदिनाकरं ॥ ॥ धृतिकर्मपायतः कलपोलसाक्षिः पायकः ॥ ॥
~~हविर्वातसंज्ञकं न केन च~~ ॥ अथ कार्यं गुणवत्तं ज्ञात्वा परिपहकार्यं नमः ॥ प्रभुर्धनम् ॥ पा
दार्चनम् ॥ गुणुमागतय ॥ ॥ गुणुमं उलदनम् ॥ अकारं मुखं वलिदिसर्जनम् ॥ ॥ कपरा
दिसर्जनम् ॥ कुम्भकपुत्रय ॥ साइहः पञ्चाशत् ॥ हासगतयः धनकपनाय ॥ आहारिसर्जनम् ॥ पूर्वस्वर्चम्
~~संकोचकया~~ ॥ ॥ गिलाह्यं मुद्रिकुम्भननम् ॥ अष्टौः मधुना नासीकावाहुजीवाता
मधुगादनम् ॥ दधिजकतिजानु ॥ एतामप्येनहसुपादयः ॥ अन्नादौ सर्वमप्यवजायतं बुद्धिर्धनम्
वान् ॥ ॥ कुम्भनं स्वमात्रं लभ्यते ॥ अनाम्बुजकुम्भमहिदधिजीवगिलसुभा ॥ मधुसुखं उपना
यंका अष्टौ गविर्गुह्यं रुकाः ॥ पिण्डयनं महकया श्रीधामकम् ॥ पिण्डहायकम् ॥ पिण्डरागधयकम् ॥ प्रथ
मपिण्डरागं स्नाता ॥ प्रपितामहस्य धामासपिण्डरागं स्नाता ॥ तपः आहु ॥ पितामहस्य धामास

विष्णु रा ग स्व ध ॥ **अनु** ॥ स्व पि ता य ध ना म वि णु रा ग स्व ध ॥ **अनु** ॥ वि क ज य रा ग
 स्व ध ॥ **निक** ॥ **वे प्र य य ना रा ग री त व ॥** वे प्र ग र्हा स्ता हा ॥ **॥ वि णु स स य**
त य ॥ वि णु ग र्हा स्ता हा ॥ **वि णु स्त्राय प्र स्थ लिला हा सी क ॥** वे प्र रा ग य स म ग यु ग या ग क आ स न
 त य ॥ **का क ॥** य ध ग त ध ग ता यां पु र्व ग म न र यः सा प नि पा नि ता द जि ना रि मु खं वि णु पि ता
 वि प नि ना दे व ता या नि सि ना वि ष र रु ध क कू च द प्र ण ना या दे व ता यां म हा व ला क न का र य
 ह्य दे व न्द्रा श्री म न्ना य प क ध ॥ प्र ण ना क क सि ह स्य ब्र ह्म द्रा वि द ल म्ब जाः प्र दे व प्र मु खा
 नां ह्य द मा मि न मा मि तां ॥ अ र्थ ध र्म चा तु वा गी श्व रा य कु सा स न मु प रि ष तां ॥ पंच र गे मा
 तु कं कु षा स न मु ज छी ता ॥ वे ष्म न ला य कु षा स न मु प रि ष तां ॥ **कु स ल ॥** न सु च वि प
 रा पा श्र यः स्वा हा ॥ **न ख न हा या य ॥** अ रि वि ना श्र यः स्वा हा ॥ **स्नां शा की ॥** सु पु ष्पा ऊ र
 स्वा हा ॥ **तां ह्य ॥** ला हा नि र्ना र रा व ना ॥ अ धि प त्र पा श्र यः स्वा हा ॥ **ध न ने य न का**
त य ॥ सा इ ह प ना मृ ग ज्ञा न ॥ **वा क ॥** स ति ल स दृ त स म पु र्वा प क न ल स हि ग य
 स्वा हा ॥ **अ धा दि वा क ॥** वि प मि मि मि र क क क न न

दे व प्र मु ख नां स ति ल स दृ त स म पु र्वा प क न ल स हि ग य
 दे व

लुटाडा य० चन चये० वरुपुर्ण प्रणि क स्वाहा ॥ सीने गिने ॥ चंदन नमः ॥ **ऊँ का** ॥ वरुन म
स्वाः ॥ पुष्प नमः ॥ **ओ न जी** ॥ दधि च क्रोना दान पार मिपुडा मघसमुद्र स्वरु न सम य ई ॥ **रुल**
रुल वा **रु** रुता दा ठि म ठि रु ला द य न के टी नु ट ना री रा न ता नि रुल ठी क थ ता ॥
सा ॥ सर्व वि दू हीं आ ली क काल २ काल म २ दी प प्र हा पान मी ता पु जा मघसमुद्र स्वरु
नली सम य स्वाहा ॥ **उप** ॥ धम २ चूप चन पान मी ता पु डा मघसमुद्र स्वरु नली सम
य स्वा हा ॥ **ता य** ॥ यथ मा वा धा दि ॥ ॥ **थ न के न न** ॥ नम स्तु पं क्क बुद्धानां अ ऊ त्पा
दिकु लं क्क म ॥ म च वे ना चन नाथं पंच बुद्ध नम स्तु त ॥ ॥ नन्दार डा दया सो म्मा क
पिला न कृ पाव ति ॥ प्र सि डि श्र महा ल ॥ श्री आ ना जा म्प स प दं नु ऊ सं वी ऊ लं ऊ त
वे सु व र्णु म हा ऊ प वे स्वा न न म ह वै व दे सर्व स प ती दा म क्क ॥ **का किल र व न या धा म हा य** ॥
य थ दि मा न अ न लं क ल्य सि की न सु ॥ **ल शा कु ल खा डेल नि ल ला वि य** ॥ **धनं क म अंगु**
मा म क उ क नी **का मा म क उ डी गु ला हा थ का य** ॥ **पु व लि न या त कु मा स न त य** ॥

अथ यन्त्रम् ॥ शुभं वाचि सत्त्व नर्मी नर्म्यं पिता शुभं गमनं स्वः लफ पुनश्च स्वः पुष्पम्
 विष्णु नार्थं दिवं गतम् ॥ अथ यन्त्रम् ॥ अस्मत्पुत्रं कुरुमानस्य न गतं तुला सति लोस
 मासासद्युक्तं सर्वं पद्मवनं सर्वं सति ताय प्रपि तां महयथा नाम कुशासनमुपति
 ष्ठाता ॥ कुशपुत्रिणा मुपति ष्ठाता ॥ कुशवक्त्रमुपति ष्ठाता ॥ पितां महयथा नाम कुशा
 सनमुपति ष्ठाता ॥ कुशपुत्रीणा मुपति ष्ठाता ॥ कुशवक्त्रमुपति ष्ठाता स्वपितायथना
 म कुशासनमुपति ष्ठाता कुशपुत्रिणा मुपति ष्ठाता ॥ कुशासनम् ॥ कुशासनमुपति ष्ठाताः
 कुशासनपत्न्यै तय ॥ वसुधैवि पत्र पात्रं त्वस्वधः स्वा ज्ञाति तय ॥ सुपुष्पाक्षरं स्वधः ॥ पिन्दः स्वः प्र
 पिता महयथा नाम न सुपति स्थीतवद्वासा नं स्वधः ॥ पिन्दः स्वः गलं तयकं वाक्क उतः तला भाव
 नायायः अथि पत्र पात्रं त्वस्वधः ॥ गिलादकं विष ॥ गिलादकं स्वधः ॥ गिलादकं स्वधः ॥ रासः ॥
 कंकनि १ चनि १ गिलादकं विष ॥ गिलादकं स्वधः ॥ गिलादकं स्वधः ॥ रासः ॥
 गपुष्प अपचिमी गाय पुष्प स्नानसंस्कारा पविता सर्वसंस्कारा पविता पुष्पं मां गगनसं
 ग १ स्वः ॥ राव विष्णु महा नय पनी बा नं स्वाहा ॥ विष्णु तिष्ठे ॥ चंदनं चन्दनदान पारमिता पुत्री
 प्रयस मूडस्व ननसमय स्वधः ॥ उड्डीका ॥ वस्त्रं वस्त्रं नीलदान पा नमिता पुत्रा मं च समस्त
 समय स्वधः ॥ गंगा नदी ॥ गंगा नदी ॥ गंगा नदी

प्रयस मूडस् ननस मय स्वध ॥ **ऊँ** ॥ वस् वस् श्रीलक्ष्मण पा नमि गा पुत्रा म धस मूडस् र
समय स्वध ॥ **गी ग नाऊ** ॥ **रं ग नाऊ** ॥ **गी ग नाऊ रं गी नाऊ** ॥ पुष्प श्रीलक्ष्मण पा नमी गा पुत्रा म धसे
दुस् नली समय स्वध ॥ **॥ धा व जी** ॥ दधि चक्र अन्न दान पा नमी पूजा म धस मूडस् नली
समय स्वध ॥ **॥ रूल** ॥ **रूल** बहा म भु ४४ श गादादि म प्रिकर्क किनु ट नान रा न ता निरूल
म नय ॥ **म ग विम** ॥ **दि र्ध स्वध** ॥ **पु पा** ॥ **पु र्प** स मूडस् नली समय स्वध ॥ **अ श** ॥ मुनि २ महा मु
नी सर्व म सुखा व श्या या मनु ग कं र स्वध ॥ **नम** ॥ नम ४४ क सिं हा य च म चक्र प्र र्ण ॥ **गे धा तू**
क ग र् सर्व ल म वय त्सर्व दुर्गे ति ॥ **विं दु नै** ॥ सर्व स कल्प रा वा रा व वि व जी ॥ ४ सा न्क सी ह नम स्कु
र्ण ४ मूड प्र कृ ति निर्मल ॥ **सं कल्प** ॥ यथा दी मान अन्न स कल्प सिद्धी रस् ॥ **सर्व** ॥ सुखा व या म
नु ग कं र स्वध ॥ **रूल रूल** धा य हा के ॥ **यत ल** ॥ **सा को प ना त य पि द** ॥ **न के वा क** पुत्रा उ ध
॥ **य न उ कृ रि स्व डी** ॥ **झा हा थ ना या नि कल** ॥ **र त** ॥ **पंचा मृ त** ॥ **सा दु डू** ॥ **ले धा क**
॥ **स गी ला** सही ता य स्वध ॥ **पु न वा** ॥ **का** ॥ **य चा स्मि न कु ले** ॥ **का गा पु**
प्र का य वा ध वा आ लं ग र्ति वि नू पा च हा गा हा त कु ले म मः ॥ **रू** ॥ **मो तु** ॥ **पा ति तु** ॥ **पा या सु** ॥ **स्का न**

हीनजन्मना. काकादि ~~का~~ का क पि उं. स्वा ना दि स्वा न पि उं ॥ **विकल** पि उं मूं प ति छ ता ॥ **स्व** न य
॥ सु पु स्वं स्व **॥ गिला** र्घ वि य ॥ गिला र्घ स्व **॥ गिला** द र्क स्व **॥ सा** इ इ: कं क नि १ लो च नी २ वि
लो च नि २. प्र ति ह त इ यं क नी स्व **॥ ल** र्घ वि य ॥ महान य प नि वा प स्व **॥ स्वा** का का य ॥ पि
उ पु स्वं स्व **॥ चन्द** नं ति के ॥ चन्द नं चन्द न दान पान मी ता पु जा मं ध स मू द्र स्स् न न स म य स्व
॥ **ऊ** र्क का ॥ व र्क व सु भी ल पार मी ता पु जा मं ध: ॥ **ग** गी ना ॥ **र** र्क ना ॥ ती जं स क र त ग ना क पु ष्य भी ला
पान मि ता पु जा ॥ **स्व** व डि ॥ द बि च का न दान पान मि ता पु जा मं ध स मू द्र स्स् न न स म य स्व **॥**
रु ल **॥** रु ल ल ^म ना ^र इ क ता या ति म पि रु ला द य ॥ क र्क ही नू ग ना न ग य ता नि रु ल टा क थें ॥ **म** ॥
स व वि त् क्री आ ला क क ल १ काल य २. दी प प्र ह्ना पान मि ता पु जा मं ध स मू द्र स्स् न न स म य स्व
॥ ॥ **ता** मी ॥ ला ऊ ला क दान पान मि ता पु जा मं ध. **आ** दि ॥ **धू** प ॥ ध र्म धू प **॥** न पान मी
ता पु जा मं ध. **आ** दि ॥ **ता** मी ॥ वि द्यु त सर्व स क र्क र्क ता वा ता व वि व र्ती ता सा क सि ह न म त्या मि शु द्ध कृ

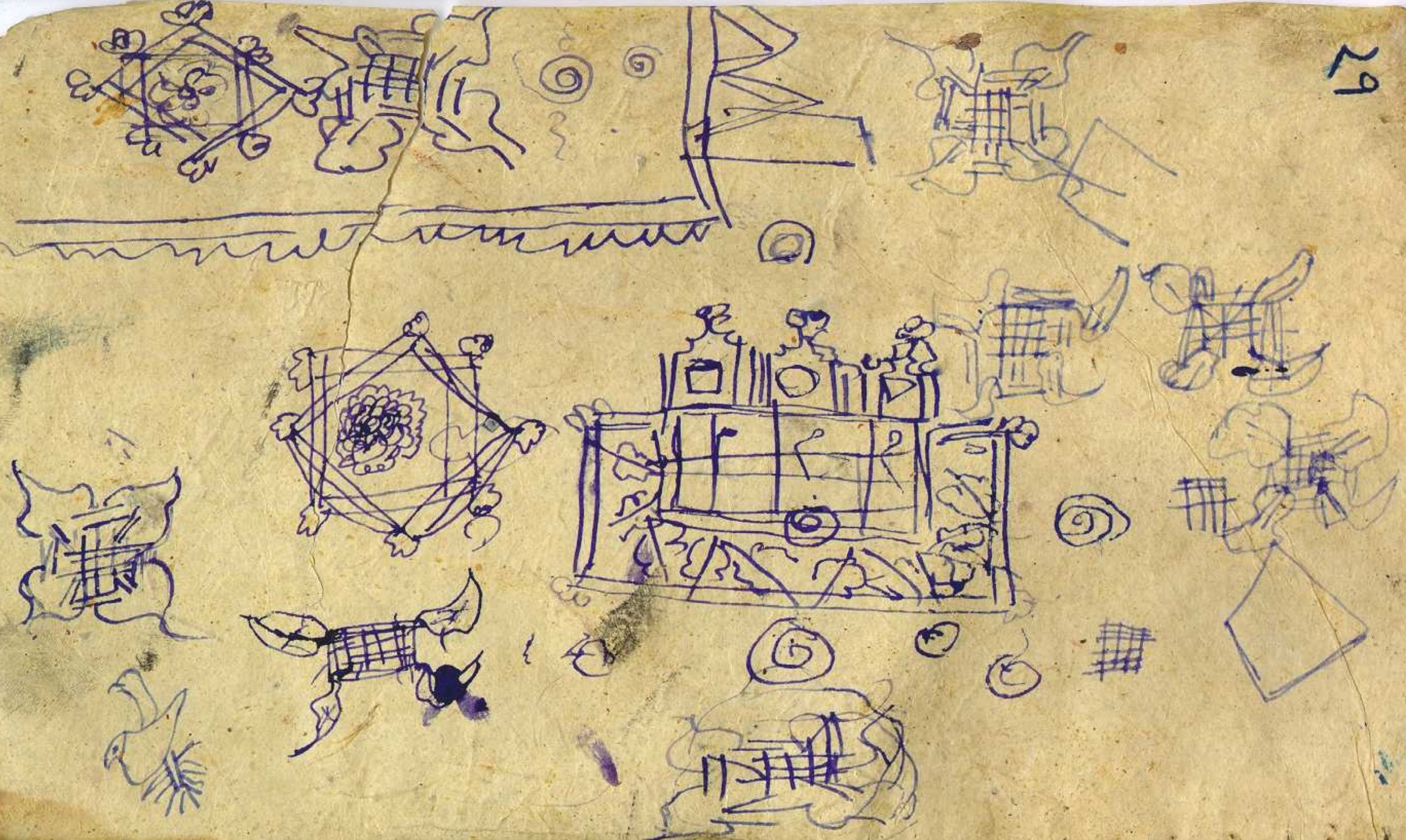
ति निर्मल ॥ **श** का मृ दू महा धी नं **श** का वे नी न दी ॥ **श** का पा यी महा धी नं **व** र्क ॥
र म म ॥ मु नि १ महा मु नि सु खा व द्या म न ग नं ॥
दि -

हि निबेल ॥ **शुक्रा मृग महा धी न शुक्रा वेनी न दी ॥ शुक्रा पायी महा धी न त्वं बुद्ध इ ल मा म्य ह ॥**
रसत ॥ मुनि २ महा मुनि सुखा वसा मनु गच्छं तु स्व नना ॥ विसर्जन ॥ यथादि मान शून्य न स क लीति
द्वि नसू ॥ ॥ शुक्रा निका शाय ॥ ॥ शुक्रा मृग धिल ॥ चंदन गि कं ऊ ऊ का ॥ शुक्रा मय ॥ पलं स्वा ॥ ५
हो ला काय ॥ ममा बला दि पु स्य नू म ॥ क व न ॥ नमस्ते पंच बुद्धा नां ॥ शुक्रा ॥ नद्या र द्या क या ॥ पादि
॥ नमस्ते भक्त सिंहाय च मे चक्र प्रवर्तित ॥ शुक्रा तु क र ग न् सर्वे ॥ अथ ये सर्वे दुर्गति ॥ काय कि
याये ॥ शुक्रा काय ॥ दधि जीन दान पाव मी ता ॥ शुक्रा ॥ य का ॥ मत्स्य मी ला शुक्र दान पाव नि ता ॥ मद्या
अमृ ॥ अमृ त स र व स्वाहा ॥ शुक्रा काय ॥ शुक्रा ॥ शुक्रा ॥ धनं कि ॥ शुक्रा ने ॥ शुक्रा शुक्रा द की ना नि सला
ल शुक्रा शुक्रा स्वर्णि द माय ॥ वक्त्र ॥ दान पतं ॥ शुक्रा ॥ शुक्रा लो के प नी शुक्रा प्रे ग लो के ल ग च्छति ॥ शुक्रा लो
के प नी शुक्रा स्वर्णि के स च्छति ॥ शुक्रा पचाप पुष्पा ॥ ऊऊ मान मान वि च ती के ॥ शुक्रा वि ये ॥ पाति वि य के
मावन स्वर्णि ला अलु का ना क पाय का व अ स मि ना का ॥ अ नू पि जा बा ॥ न व रं गी बा ॥ सर्वे ते सुखा
व ला मनु गच्छं तु स्व नना ॥ ॥ शुक्रा यात पाव ला व मा ना व द ल का पुष्पा क पु य के ॥ पु
शुक्रा मय मे च रा धने ॥ शुक्रा म वि य ॥ ॥ श्री धर्म शुक्रा का न शुक्रा गु ग र ॥

पंचरत्न माता ॥ वे भूतना का न्य ॥ पुत्री का सुखावति गच्छ ॥ प्रपि ॥
महयथा नाम सुखा ॥ विता मह यथा नाम सुखा ॥ विकला य सुखावती गच्छ ॥ कु
कपजासतय ॥ अस्मा ब्रह्माद्याय ॥ सुगंधाति पृथ्वी नमः ॥ विसर्जनमाय ॥ पितृवय ॥ हा
मर्लाहा सि ॥ वसुपत्र प्रमाह न विठ्ठल दया ॥ गमाउर्द्ध पूरा फलम प्राप्ता कुनू मे
तु वभर् ॥ ॥ नस्मा धूप धन ॥ मताग ॥ लुखान भित्ति विठ्ठल पाऊल आना पिले ॥
वैदिकायां बहीर प्रोस्था पयस् विठ्ठलाऊने ॥ इल भना प्रिली कृष्ण सगच्छ सनत प्रप ॥
पितृपुत्र ॥ ॥ गृहि पिल क्रिया विधी ॥ ॥ भुरा म् ॥ ॥

20

1888





7

Q2384595
Q2384595

923243

23086086

399

Handwritten text in a cursive script, likely a signature or a list of names, written in dark ink on aged paper.

20

10

39345

باز

9232426

395

923826

222459

92323

21

23425811



23

30
15

22944 95 5 10 11 12 22 30

2845 1000 81 24 12 15 16 17 20 21 22

11994

1138415 971 093

7612 228 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

Handwritten text in a circular frame, possibly a signature or title.

247	247
-----	-----

Handwritten text in a circular frame, possibly a signature or title.

159
268
2809